

अदक्षिणीय वि. (तत्.) दक्षिण दिशा को छोड़ कर किसी अन्य दिशा के लिए उपयुक्त 2. दक्षिणा रूपी उपहार को ग्रहण करने के अयोग्य या अनाधिकारी व्यक्ति।

अदग वि. (तत्.) 1. बेदाग, निष्कलंक, शुद्ध जिसे पाप छू न सका हो, अछूता 2. निरपराध, निर्दोष 3. अस्पष्ट, साफ 4. बचा हुआ।

अदग्ध वि. (तत्.) 1. न जला हुआ 2. जिसका दाह-संस्कार न किया गया हो।

अदत्त पुं. (तत्.) वह वस्तु जिसके दिए जाने पर भी लेने वाले को उसे रखने का अधिकार न हो
वि. (तत्.) 1. जिसने दिया न हो, न देने वाला 2. कृपण 3. जो दिया न गया हो।

अदत्तपूर्वा स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी स्त्री जिसको कन्या दान के द्वारा न दिया गया हो या जिसका विवाह न हुआ हो 2. वस्तु जिसे पहले न दिया गया हो।

अदत्ता वि./स्त्री. (तत्.) न दी हुई स्त्री, अविवाहिता कन्या, जिस कन्या का वाग्दान न हुआ हो।

अदद पुं. (अर.) 1. संख्या, तादाद 2. मात्रा।

अदद्यल पुं. (अर.) न्याय, इंसाफ।

अदन पुं. (तत्.) भोजन, खाना, भक्षण **पुं.** (अर.) 1. ईसाइयों, मुसलमानों आदि के अनुसार स्वर्ग का वह उपवन जो अत्यंत रमणीय माना गया है 2. अरब के दक्षिण में एक बंदरगाह।

अदना वि. (अर.) तुच्छ या सामान्य स.क्रि. (तद्.) दृढ़ता पूर्वक या निश्चयपूर्वक कोई बात कहना।

अदना-बदना स्त्री. (देश.) शर्त लगाकर या निश्चयात्मक रूप से कहना, दृढ़तापूर्वक कहना।

अदनीय वि. (तत्.) खाने योग्य, भक्षणीय, भोज्य।

अदब पुं. (अर.) 1. शिष्टाचार 2. बड़ों का आदर, सम्मान 3. साहित्य, वाङ्मय।

अदब-कायदा पुं. (अर.) 1. आदर सम्मान 2. शिष्ट व्यवहार।

अदबी वि. (अर.) 1. बड़ों के प्रति आदर और शिष्टाचार बरतने वाला 2. साहित्य से संबंधित, साहित्यिक आदेश आदि।

अदब्ध वि. (तत्.) 1. (जो दब्ध अर्थात् स्वल्प या कृश न हो) बहुत अधिक, प्रचुर 2. अपार।

अदम पुं. (अर.) 1. परलोक, जन्नत 2. अभाव न होने की स्थिति।

अदम पैरवी स्त्री. (फा.) किसी मुकदमे आदि में जरूरी कार्रवाई या पेशी का न होना।

अदम मौजूदगी स्त्री. (फा.) मौजूदगी का अभाव, गैरहाजिरी, अनुपस्थिति।

अदमनीय वि. (तत्.) जिसका दमन न किया जा सके, अदम्य।

अदम्य वि. (तत्.) 1. जिसका दमन न हो सके, न दबने योग्य 2. प्रचंड, प्रबल, अजेय।

अदय वि. (तत्.) दयारहित, करुणाशून्य, निर्दय, निष्ठुर, कठोर-हृदय।

अदरक पुं. (तद्.) एक पौधा जिसकी जड़ें (कंद) तीक्ष्ण और चरपरी और जो मसाले, चटनी, अचार आदि में प्रयुक्त होती हैं।

अदरकी स्त्री. (तद्.) सोंठ-गुड़ मिलाकर बनाई गई चटपटी टिकिया, सोंठीरा।

अदर्श पुं. (तत्.) 1. आईना, 2. वह दिन जिसकी संध्या को चंद्रमा दिखाई न दे।

अदर्शन पुं. (तत्.) 1. दिखाई न देना, अविद्यमानता, असाक्षात् 2. लोप 3. उपेक्षा **वि.** (तत्.) अदृश्य, लुप्त।

अदर्शनीय वि. (तत्.) दर्शन के अयोग्य, जो देखने लायक न हो, कुरूप।

अदल पुं. (अर.) तर्कयुक्त, तर्कसंगत **वि.** (तत्.) 1. बिना पंखुड़ी या पत्ते का, पत्रविहीन 2. सेनारहित 3. तटस्थ, जो किसी दल में न हो।

अदलखाना पुं. [अर.+फा.] दे. न्यायालय, कचहरी।

अदल-बदल पुं. (अर.) परिवर्तन, हेरफेर।